मुमुक्षु अशिवनी का मंगल भावना समारोह

सुनाम - दिनांक 16-8-2011 को शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर के सान्निध्य में जगराओं से दीक्षार्थी भाई अश्विनी जैन का मंगल भावना समारोह मनाया गया।

साध्वी श्री ने मुमुक्षु के प्रति अपनी मंगल भावना व्यकत करते हुए कहा-दीक्षा क्या है! दीक्षा का तात्पर्य है-भोग से योग की ओर बढना। बाहर से भीतर की ओर गहराई से प्रवेश करना। असंयम से संयम की ओर अग्रसर होना। दीक्षा स्वयं की पहचान है। मैं कौन हूं। स्वयं के द्वारा स्वयं की पहचान।

जैन धर्म में निश्चय नय और व्यवहार नय का तत्व दिया। व्यवहार नय का तत्व दिया। व्यवहार नय के अनुसार बोलना भी आवश्यक होता है, मुमुक्षु भाई के बारे में। मेघमुनि के उदाहरण के द्वारा बताया, कि संयमी जीवन मे अनेक कसौटिया होती है। आनन्द और सुख हमारे स्वयं के भीतर है न कि बाहर। तेरापंथ में अद्वितीय समर्पण है। सत्य, बह्मचर्या और अपरिग्रह आदि पांच महाव्रतों का सम्यक् पालन करना ही अपना लक्षय हो।

ज्ञान, दर्शन और चारित्र त्रयी की सम्यक् अराधना ही दीक्षा का लक्ष्य है-ध्येय। परमपूज्य गुरूदेव की सन्निध्य में रहकर अपने संयम की साधना करते हुए-उनकी आज्ञा, मर्यादा की सम्यक् अराधना करते हुए अपने गन्तव्य की ओर बढे। ऐसी मंगल भावना करते है।

साध्वी श्री लज्जावती जी ने कहा- कि हम परम सौभाग्यशाली है, कि यह नन्दवन मिला। स्थूल से सूक्षम की ओर बढे। तथ्य और कथ्य समान रखते हुए साधना के उपवन में ज्ञान के फूल खिलाएं। आदर्शो के महान् पथ पर बढते हुए, अपनी लक्षित मंजिल को प्राप्त करें।

जगराओं के तत्वज्ञा श्रावक प्रवीण जैन जी ने मुमुक्षु भाई अश्विनी का जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए दीक्षा के बारे अपनी भावनाएं व्यकत की। जगराओं महिला मंडल की अध्यक्ष श्री मती प्रीती जैन जी ने अपनी मंगल भावना व्यकत की।

मुमुक्षु भाई अश्विनी ने कहा-संसार के सारे भोग दलदल में फंसने का ही मार्ग है, न कि बाहर निकलने का। मेरे कर्मो का क्षयोपशम हुआ और मैं त्याग के पथ पर अग्रसर होकर साधना के द्वारा अपनी लक्षित मंजिल को प्राप्त करूं। सुख-दुःख के कर्ता हम स्वयं ही है। हम अपने समय का सदुपयोग करते हुए अधिक से अधिक 12व्रतों को स्वीकार कर श्रावक जीवन को सफल बनाएं।

इस अवसर पर साध्वी श्री लावण्य श्री जी, साध्वी श्री सिद्धान्त श्री जी, रामलाल जी, केवल कृष्ण जी, सुनाम की तेरापंथ महिला मंडल एवं सुनाम की तेरापंथ युवक परिषद् आदि ने अपनी मंगलकामनाएं व्यकत की।

कार्यक्रम का कुशल संयोजन सुनाम की तेयुप के सहमंत्री हितेश जैन ने किया।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President:- Sumit Jain.
Secratery:- Ashish Jain.
Jt.Sec:- Hitesh Jain (90413-99764).

Date Of Sent:- 16-8-2011.

****